# मॉडल प्रश्न–पत्र –2024
## कक्षा–10
## विषय – हिन्दी

**समय : 3 घण्टे 15 मिनट** **पूर्णांक– 70**

निर्देश–

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय पश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O. M. R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(iv) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(v) O. M. R. शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whiterner) आदि का प्रयोग न करें।

(vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

**बहुविकल्पीय प्रश्न खण्ड–अ** 20

प्रश्न–1. 'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' किस युग के लेखक हैं?

(क) शुक्ल युग ✓
(ख) द्विवेदी युग
(ग) शुक्लोत्तर युग
(घ) भारतेन्दु युग

प्रश्न–2. 'गबन' व 'गोदान' किस विधा की रचनाएँ हैं–

(क) नाटक
(ख) एकांकी
(ग) उपन्यास ✓
(घ) कहानी

प्रश्न–3.'कंकाल' व 'तितली' के लेखक हैं–

(क) मुंशी प्रेमचन्द्र
(ख) जयशंकर प्रसाद ✓
(ग) निराला
(घ) रामचन्द्र शुक्ल

प्रश्न–4.'कलम का सिपाही' कृति है–

(क) धर्मवीर भारती की
(ख) अज्ञेय की

modelpaper.info

(ग) जैनेन्द्र की
(घ) अमृतराय की ✓

प्रश्न–5.'शुक्ल युग' की समयावधि है–
(क) 1900 ई0 से 1918 तक
(ख) 1919 ई0 से 1938 तक ✓
(ग) 1936 ई0 से 1943 तक
(घ) 1850 ई0 से 1900 तक

प्रश्न–6.'साकेत' रचना है–
(क) महादेवी वर्मा की
(ख) सुमित्रानन्दन पन्त की
(ग) जयशंकर प्रसाद की
(घ) मैथिलीशरण गुप्त की ✓

प्रश्न–7.महादेवी वर्मा कवयित्री हैं–
(क) प्रगतिवाद युग की
(ख) द्विवेदी युग की
(ग) छायावाद युग की
(घ) प्रयोगवाद युग की

प्रश्न–8.'गंगलहरी' रचना है–
(क) पद्माकर की ✓
(ख) बिहारी की
(ग) भूषण की
(घ) मतिराम की

प्रश्न–9.आधुनिक काल की समय सीमा है
(क) 1919 ई0 से 1938 ई0 तक
(ख) 1936 ई0 से 1943 ई0 तक
(ग) 1918 ई0 से 1950 ई0 तक
(घ) 1843 ई0 से अब तक ✓

प्रश्न–10.महादेवी वर्मा की रचना नही है–
(क) नीहार
(ख) सांध्यगीत
(ग) युगान्त ✓
(घ) दीपशिखा

प्रश्न–11.हास्य रस का स्थायी भाव है–
(क) रति
(ख) हास ✓
(ग) निर्वेद
(घ) विस्मय

प्रश्न–12. 'पीपर पात सरिस मन डोला।'

modelpaper.info

उपर्युक्त पंक्ति में अलंकार है–

(क) रूपक

(ख) उपमा ✓

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) अनुप्रास

प्रश्न–13.'सोरठा' छन्द में चरण होते हैं–

(क) चार ✓

(ख) दो

(ग) तीन

(घ) एक

प्रश्न–14.'उपदेश' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है–

(क) उ

(ख) अ

(ग) उप ✓

(घ) अन

प्रश्न–15.किस वाच्य में क्रिया का सम्बन्ध 'भाव' से होता है?

(क) भाववाच्य ✓

(ख) कर्तृवाच्य

(ग) कर्मवाच्य

(घ) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न–16.'हानि–लाभ' में समास है–

(क) द्वन्द्व ✓

(ख) कर्मधारय

(ग) द्विगु

(घ) बहुव्रीहि

प्रश्न–17. मछली का पर्यायवची है–

(क) द्विज

(ख) मीन ✓

(ग) रसना

(घ) मूढ़

प्रश्न–18. 'सत्संग करो और सदाचारी बनो!' कैसा वाक्य है–

(क) इच्छावाचक ✓

(ख) प्रश्नवाचक

(ग) निषेधवाचक

(घ) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न–19.'त्वया' शब्द का द्वितीया विभक्ति, बहुवचन रूप है–

(क) तृतीया एकवचन ✓

(ख) चतुर्थी एकवचन

modelpaper.info

(ग) पंचमी बहुवचन
(घ) चतुर्थी बहुवचन

प्रश्न–20. 'गोबर' शब्द का तत्सम शब्द होगा–

(क) गोमय ✓
(ख) गोधूम
(ग) गोबल
(घ) गोमूत्र

**वर्णनात्मक प्रश्न** **खण्ड–'ब'**

प्रश्न–21. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3X2=6

(क) दूर के ढोल सुहावने होते हैं, क्योंकि उनकी कर्कशता दूर तक नहीं पहुँचती। जब ढोल के पास बैठे हुए लोगों के कान के पर्दे फटते रहते हैं, तब दूर किसी नदी के तट पर, संध्या समय किसी दूसरे के कान में वही शब्द मधुरता का संचार कर देते हैं। ढोल के उन्हीं शब्दों को सुनकर वह अपने हृदय में किसी के विवाहोत्सव का चित्र अंकित कर लेता है। कोलाहल से पूर्ण घर के एक कोने में बैठी हुई किसी लज्जाशीला नव–वधू की कल्पना वह अपने मन में कर लेता है। उस नव–वधू के प्रेम, उल्लास, संकोच, आशंका और विषाद से युक्त हृदय के कम्पन ढोल की कर्कश ध्वनि को मधुर बना देते हैं, क्योंकि उसके साथ आनन्द का कलरव, उत्सव व प्रमोद और प्रेम का संगीत ये तीनों मिले रहते हैं, तभी उसकी कर्कशता समीपस्थ लोगों को भी कटु नहीं प्रतीत होती। दूरस्थ लोगों के लिए तो वह अत्यन्त मधुर बन जाती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) ढोल की कर्कशता समीपस्थ लोगों को कब कटु प्रतीत नहीं होती है?

अथवा

(ख) उनके लिए न तो बड़े–बड़े वीर अद्‌भुद कार्य कर गए हैं और न बड़े–बड़े ग्रन्थकार ऐसे विचार छोड़ गए हैं, जिनसे मनुष्य जाति के हृदय में सात्त्विकता की उमंगें उठती है। उनके लिए फूल–पत्तियों में कोई सौन्दर्य नहीं, झरनों के कल–कल में मधुर संगीत नहीं, अनन्त सागर–तरंगों में गम्भीर रहस्यों का आभास नहीं, उनके भाग्य में सच्चे प्रयत्न और पुरूषार्थ का आनन्द नही। उनके भाग्य में सच्ची प्रीति का सुख और कोमल हृदय की शान्ति नहीं। जिनकी आत्मा अपने इन्द्रिय–विषयों में ही लिप्त है, जिनका हृदय नीचाशयों और कुत्सित विचारों से कलुषित है, ऐसे नाशेन्मुख प्राणियों को दिन–दिन अन्धकार में पतित होते देख कौन ऐसा होगा तो तरस न खाएगा? ऐसे प्राणियों का साथ नहीं करना चाहिए।

modelpaper.info

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) हमें किस प्रकार के प्राणियों का साथ नहीं करना चाहिए?

प्रश्न–22. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3X2=6

(क) जा दिन तें वह नंद को छोहरा, या बन धेनु चराइ गयौ है।
मोहिनि तानन गोधन गावत, बेनु बजाइ रिझाइ गयौ है।
वा दिन सों कछु टोना सो कै, रसखानि हियै मैं समाए गयौ है।
कोऊ न काहू की कानि करै, सिगरो ब्रज बीर, बिकाइ गयौ है।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) सम्पूर्ण ब्रज किसके वशीभूत हो गया है?

अथवा

(ख) अणु–युग बने धरा जीवन हित स्वर्ग सृजन का साधन,
मानवता ही विश्व सत्य भू–राष्ट्र करें आत्मार्पण।
धरा चन्द्र की प्रीति परस्पर जगत प्रसिद्ध, पुरातन,
हृदय–सिंधु में उठता स्वर्गिक ज्वार देख चन्द्रानन!

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'अणु–युग बने धरा जीवन हित स्वर्ग सृजन का साधन' पंक्ति से क्या आशय है?

प्रश्न 23. निम्नलिखित संस्कृत गद्यावतरणों में से किसी एक अवतरण का संदर्भ–सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+3=5

(क)(स्थानम्–वाराणसी न्यायालयः। न्यायाधीशस्य पीठे एकः दुर्धर्षः पारसीकः तिष्ठति।)

आरक्षकाः– चन्द्रशेखरं तस्य सम्मुखम् आनयन्ति। अभियोगः प्रारभते। चन्द्रशेखरः पुष्टाङ्गः गौरवर्णः षोडशवर्षीयः किशोरः।)

आरक्षकः–श्रीमान् ! अयम् अस्ति चन्द्रशेखरः। अयं राजद्रोही। गतदिने अनेनैव असहयोगिनां सभायां एकस्य आरेक्षकस्य दुर्जयसिंहस्य मस्तके प्रस्तरखण्डेन प्रहारः कृतः। येन दुर्जयसिंहः आहतः।।

**अथवा**

(ख) वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी । इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गंङ्गायाः कूले स्थिता । अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पंक्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते ।

modelpaper.info

अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्याः घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति ।

प्रश्न 24. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश का संदर्भ–सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिएः 2+3=5

(क) रे रे चातक ! सावधान मनसा मित्र ! क्षणं श्रृयताम् ।
अम्भांदा बहवो हि सन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः ।।
केचिद् वृष्टिभिराद्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् वृथा ।
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः ।।

**अथवा**

(ख) माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा ।
मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात् ।।

प्रश्न–25 अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए– 3×1=03

(क) (i) 'ज्योति जवाहर' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक 'जवाहरलाल नेहरू' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र चित्रण कीजिए।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के कथानक का सारांश लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग (आयोजन) का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) (i) 'मेवाड़–मुकुट' के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।
(ii) 'मेवाड़–मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र चित्रण कीजिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के पंचम षष्ठ सर्ग की कथा अपने शब्दों में संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र चित्रण कीजिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रतिनायक मेघनाद का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक (चन्द्रशेखर आजाद) का चरित्र–चित्रण कीजिए।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग (संकल्प) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

modelpaper.info

(झ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक की दानवीरता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–26. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– 3+2=5

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– 3+2=5

(i) तुलसीदास

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) बिहारीलाल

प्रश्न–27. अपनी पाठ्य–पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न–पत्र में न आया हो। 2

प्रश्न–28. गणित शिक्षक हेतु विज्ञापित पद के लिए एक आवेदन पत्र लिखिए। 4

अथवा

आपके द्वारा हाल ही में घूमे गये मेले का आँखों देखा वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

प्रश्न–29. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– 1+1=2

(i) पुरुराजः कः आसीत् ?

(ii) वीरः केन पूज्यते ?

(iii) कुत्र मरणं मङ्गलम् भवति ?

(iv) चन्द्रशेखरः कः आसीत् ?

प्रश्न–30. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 7

(i) विज्ञान वरदान या अभिशाप

(ii) आतंकवादः कारण एवं निवारण

(iii) मातृभूमि के लिए

(iv) वनों से लाभ

(v) विद्यार्थी और अनुशासन

modelpaper.info